

प्रेषक,

राधा रतुडी,  
सचिव,  
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

सचिव,  
उत्तरांचल अल्पसंख्यक आयोग,  
देहरादून।

समाज कल्याण अनुभाग-03.

देहरादून, 06 मई, 2006.

**विषय :** चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 के आय-व्ययक में समाज कल्याण विभाग से सम्बन्धित अनुदान संख्या-15 के आयोजनेत्तर पक्ष की वचनबद्ध मदों में प्राविधानित धनराशियों की वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

वित्त विभाग, उत्तरांचल शासन के शासनादेश संख्या-908/XXVII(1)/2006, दिनांक 24 अप्रैल 2006 की छायाप्रति संलग्न कर प्रेषित करते हुए मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 के आय-व्ययक में समाज कल्याण विभाग से सम्बन्धित "अनुदान संख्या-15" के "आयोजनेत्तर पक्ष" की वचनबद्ध मदों में प्राविधानित धनराशियों को संलग्नक के अनुसार रुपये 20,47,000/- (रुपये बीस लाख सैतालीस हजार मात्र) को चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 में वित्त विभाग के उक्त शासनादेश एवं निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय करने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं-

1. अनुदान के अन्तर्गत होने वाले सम्भावित व्यय की फेजिंग (त्रैमास के आधार पर) अनिवार्य रूप से शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए, जिससे राज्य स्तर पर कैशप्लो निर्धारित किए जाने में किसी प्रकार की कठिनाई न उत्पन्न हो।
2. आय-व्ययक द्वारा व्ययस्थित उक्त धनराशि में से केवल स्वीकृत चालू योजनाओं पर ही व्यय किया जाए और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नए कार्यों के कार्यान्वयन के लिए नहीं किया जाए।
3. उक्त आवंटित धनराशि किसी ऐसी मद पर व्यय करने से पूर्व वित्तीय हस्त पुस्तिका एवं बजट मैनुअल के अन्तर्गत शासन या अन्य सहाय अधिकारी की पूर्ण स्वीकृति आवश्यक हो तो ऐसा व्यय अपेक्षित स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जाए।
4. यह व्यक्तिगत रूप से सुनिश्चित कर लिया जाए कि आवश्यकतानुसार आवंटित धनराशि के प्रत्येक बिल में चाहे वह वेतन आदि के सम्बन्ध में हो अथवा आकरिमक व्यय के सम्बन्ध में, सम्पूर्ण मुख्य/लघु/उप तथा विस्तृत शीर्षक को अंकित किया जाए और प्रत्येक बिल में दाहिनी ओर ताल

स्याही से "अनुदान संख्या-15" तथा "आयोजनेत्तर" शब्द स्पष्ट लिखा जाए, अन्यथा महालेखाकार कार्यालय में सही बुकिंग में बाधा होगी।

5. संलग्नक में वर्णित धनराशियों का समय से उपयोग करने के लिए यह भी सुनिश्चित कर लें कि धनराशि परिधिगत अधिकारियों को तत्काल अवमुक्त कर दी जाए। आवंटन एवं व्यय की स्थिति यथासमय शासन को अवगत कराया जाए।
6. मितव्ययता के सम्बन्ध में नियमों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।
7. यदि किसी अविष्टान/योजनाओं के अन्तर्गत अतिरिक्त धनराशि की आवश्यकता हो तो अतिरिक्त धनराशि की मांग का औचित्यपूर्ण प्रस्ताव शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
8. अप्रयुक्त धनराशि वित्तीय हस्त पुस्तिका एवं बजट मैनुअल के प्राविधानों के अन्तर्गत समय-सारण के अनुसार समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जाए।
9. उपर्युक्त निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन अपने एवं अधीनस्थ स्तरों पर भी सुनिश्चित करें।
10. समस्त धातू निर्माण कार्य, नए निर्माण कार्य, उपकरण व संयंत्र का क्रय, वाहन का क्रय एवं कम्प्यूटर हार्डवेयर/साफ्टवेयर का क्रय की स्वीकृतियों के लिए औचित्यपूर्ण प्रस्ताव शासन को पृथक् से उपलब्ध कराएँ।
11. बी.एम.-13 पर संकलित मासिक सूचनाएं नियमित रूप से शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
12. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय धातू वित्तीय वर्ष 2006-07 के आय-व्ययक के "अनुदान संख्या-15" के अन्तर्गत संलग्न सारिका में उल्लिखित लेखाशीर्षकों की सुरंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जाएगा।

संलग्नक : यथोपरि।

भवदीय,

(राधा रतूड़ी)  
सचिव।

पृष्ठांकन संख्या : (1)/XVII(1)-03/2006-07(55)/2006, तददिनांक :

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित—


1. निजी सचिव, माननीय मुख्यमंत्री, उत्तरांचल।
2. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन।
3. महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून।
4. मण्डलायुक्त, गढ़वाल, उत्तरांचल।
5. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएं, उत्तरांचल, देहरादून।
6. जिलाधिकारी, देहरादून, उत्तरांचल।
7. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून, उत्तरांचल।
8. जिला समाज कल्याण अधिकारी, देहरादून, उत्तरांचल।

9. वित्त (व्यय नियन्त्रण) अनुभाग-03, उत्तरांचल शासन।

10. बजट, राजकोषीय नियोजन व संसाधन निदेशालय, उत्तरांचल सचिवालय परिसर, देहरादून।

✓ 11. राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, उत्तरांचल सचिवालय परिसर, देहरादून।

12. आदेश पंजिका।

आज्ञा से,  
  
(धीरेन्द्र सिंह दताल)  
उप सचिव।  
५/८

2250-00-800-04-00

2250-अन्य सामाजिक सेवाएँ

00-

800-अन्य व्यय

04-अल्पसंख्यक आयोग का अधिष्ठान

00-

(धनराशि हजार रुपये में)

भत्ता	550
व्यय	231
तरफ यात्रा व्यय	50
त्ते	20
	61
व्य व्यय	200
देय	50
/जलप्रभार	50
तानग्री और फार्मा की छपाई	20
पर व्यय	30
का अनुरक्षण और पेट्रोल आदि की खरीद	100
येक तथा विशेष सेवाओं के लिए भुगतान	100
उपशुल्क और कर-स्वामित्व	20
	150
बिक्री और विख्यापन व्यय	30
व्यय विषयक भत्ता आदि	30
व्यय प्रतिपूर्ति	10
	10
यात्रा व्यय	20
अनुरक्षण/तत्सम्बन्धी स्टेशनरी का क्रय	20
सन	20
योग	275
	2047

(रुपये बीस लाख सेतालीस हजार मात्र)

(राधा रतूडी)  
सचिव।